806

Total Pages : 3 Roll No. .....

DPJ-104

मुहूर्त विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी.पी.जे-12/16/17)

1st Semester Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. मुहूर्त की वैज्ञानिकता को दर्शाते हुए इस शास्त्र की वेदमूलकता स्पष्ट कीजिए।

2. सोलह संस्कारों का नामोल्लेख करते हुए प्रत्येक का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

3. लग्नशुद्धि, गुरु-शुक्रास्त तथा देवशयन क्या है? मुहूर्त विचार में इनका क्या महत्त्व है?

4. देवालय की वैज्ञानिकता दर्शाते हुए देवालय निर्माण के मुहूर्तों का वर्णन करें।

5. कूप, तड़ाग और जलाशय मुहूर्त विचार पर निबन्ध लिखें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. दुकान खोलने के शुभ मुहूर्तों का निरूपण करें।

2. द्वार के महत्त्व को बताते हुए द्वारस्थापनमुहूर्त को निरूपित कीजिए।

3. गृह का महत्त्व दर्शाते हुए गृहप्रवेशमुहूर्त को निरूपित कीजिए।

4. जातकर्म तथा अन्नप्राशन संस्कार के मुहूर्त का निरूपण कीजिए।

5. चूड़ाकर्म तथा उपनयन संस्कार के मुहूर्त-विचार को निरूपित करें।

6. नींव खनन के मुहूर्त में विचारणीय तत्वों का निरूपण करें।

7. यमघण्टक फलविचार पर टिप्पणी लिखें।

8. करण कितने हैं? नाम लिखें।